वाह वाह की गीत सदा गुनगुनाऊ
परमात्म स्मृति से सदा सुख पाऊ
सृष्टि चक्र का है खेल निराला
वाह इसमें मेरा पार्ट मतवाला
खुशी उमंग से मैं उड़ता जाऊ
हीरो एक्टर का रोल निभाऊ
हीरे जैसा जन्म अमूल्य
वाह मेरा भाग्य वाह कह इतराऊ
वाह मेरा शिव बाबा वाह कह मुस्कराऊ
डायरेक्टर जो है इस ड्रामा का
करते स्वर्ग की अद्भुत रचना
दिया उसने मुझे यह सुंदर पार्ट
यह है उनका अनोखा आर्ट
देते रोज़ हम उनको अपना चार्ट
जो है स्वयं ज्ञान का समुन्द्र
बनाते हमको सतयुगी इंद्र
करना संगम पर समय का कद्र
बनना अगर सूर्यवंशी चन्द्र
वाह वाह के गीत गा कर
चढ़ती कला पर बढ़ता चल

ॐ शांति!!